



विषयसूची

Table of contents

आयोजन

वसंत काव्योत्सव: वसंत ऋतु का काव्यात्मक उत्सव
अनंतिनी: आईआईटी कानपुर में एक हिन्दी काव्य संगोष्ठी
अभ्युदय: हिन्दी कथा-कला की अभिव्यक्ति

गतिविधियाँ

आईआईटी कानपुर के छात्रों के लिए आगामी फाइन
आर्ट कार्यशालाएँ
अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों हेतु हिन्दी भाषा प्रशिक्षण
एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) छात्र स्वयंसेवकों द्वारा
शैक्षणिक पाठ्यक्रम सामग्री का सृजन

बैठकें और सहभागिता

हिन्दी साहित्य सभा समन्वयकों के साथ सहयोगात्मक बैठक
शिवानी केंद्र की सलाहकार बोर्ड की बैठक
शिवानी केंद्र की संचालन समिति की बैठक

हिन्दी साहित्य के विकास पर वीडियो श्रृंखला

हिन्दी साहित्य का प्रारंभिक परिचय
हिन्दी साहित्य का इतिहास – आदिकाल
(सन् 1050 से 1375 तक)

आगामी आयोजन एवं गतिविधियाँ

कर्मचारी सदस्य और संपर्क

Events

Vasant Kavyotsav: Celebrating Spring with Poetry 02-03
Anantini: A Hindi Poetry Symposium at IIT Kanpur 04-06
Abhyuday: The Art of Hindi Storytelling 07-08

Activities

Upcoming Fine Art Workshops for IIT Kanpur Students 09-10
Hindi Learning Program for International Students 10-11
Creation of Academic Course Materials by NSS (National Service Scheme) Volunteers 12

Meetings and Engagements

Collaborative Meeting with Hindi Sahitya Sabha Coordinators 13-14
Advisory Board Meeting of Shivani Centre 14-16
Steering Committee Meeting of Shivani Centre 16-17

Videos on the Evolution of Hindi Literature

An Introduction to Hindi Literature 18
The History of Hindi Literature – The Early Period (1050-1375 AD) 18

Upcoming Events and Activities

18-19

Staff Members & Contacts

20

वसंत काव्योत्सव: वसंत ऋतु का काव्यात्मक उत्सव
- अप्रैल 9, 2025

Vasant Kavyotsav: Celebrating Spring with
Poetry at IIT Kanpur - April 9, 2025



Prof. Santosh K. Misra
performing a poetry recital at
the event 'Vasant Kavyotsav'
(April 9, 2025)



Mr. Anil Kumar Pandey
delivering verses at the event
'Vasant Kavyotsav'.
(April 9, 2025)



Audience applauding
performances at
'Vasant Kavyotsav'
(April 9, 2025)

वसंत, जिसे ऋतुओं का राजा कहा जाता है, अपने साथ सौंदर्य, नवीनता और सृजन की ऊर्जा लेकर आता है। इसी सौंदर्य और सृजनात्मक ऊर्जा को समर्पित, **शिवानी केंद्र, हिन्दी साहित्य सभा** और आईआईटी कानपुर में स्थापित **राजभाषा प्रकोष्ठ** के संयुक्त तत्वावधान में 9 अप्रैल, 2025 को आईआईटी कानपुर के लेक्चर हॉल L-7 में एक विशेष काव्य संध्या का आयोजन किया गया।

हमेशा की तरह, इस कार्यक्रम में संस्थान के संकाय सदस्यों, छात्रों और कर्मचारियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। इसने परिसर के निवासियों को अपनी काव्य प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया, जिसका विशेष उद्देश्य छात्रों को कविता रचने और सार्वजनिक रूप से पाठ करने के कौशल को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ **प्रोफेसर कान्तेश बालानी** के स्वागत संबोधन के साथ हुआ। उन्होंने हिंदी साहित्य में कविता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रोताओं और प्रतिभागियों को प्रेरित किया। इसके बाद **वसंत काव्योत्सव** का आरंभ एक गीतात्मक और भावपूर्ण आह्वान के साथ हुआ:

"आज का ये संध्या समय, वसंत के गीतों के नाम,
जहाँ हर शब्द फूल सा खिले और हर कविता बने मधुर प्रणाम।
हम आपका स्वागत करते हैं 'वसंत काव्योत्सव' में,
जहाँ कवि भी हैं, कविता भी और रसों की बहार भी।"

Spring, known as the king of seasons, brings beauty, freshness, and an energy of creation. Dedicated to this very beauty and creative energy, a special poetry evening was organized under the joint collaboration of **Shivani Centre, Hindi Sahitya Sabha, and Hindi Cell** of IIT Kanpur on April 9, 2025, at Lecture Hall L-7 of IIT Kanpur.

As is customary, the event attracted a large gathering of faculty members, students, and staff of the institute. It provided a platform for campus residents to showcase their poetic talents, aiming especially to encourage and motivate students to develop their skills in composing and publicly reciting poetry.

The program commenced with a warm welcome address by **Prof. Kantesh Balani**, who inspired the audience and participants by highlighting the significance of poetry in Hindi literature. Following this, the spring poetry festival – **Vasant Kavyotsav** began with a lyrical and emotional invocation:

"Aaj ka yeh sandhya samay, vasant ke geeton ke naam,
Jahan har shabd phool sa khile aur har kavita bane
madhur pranam.

Hum aapka swagat karte hain 'Vasant Kavyotsav' mein,
Jahan kavi bhi hain, kavita bhi aur rason ki bahaar bhi."

आईआईटी कानपुर से जुड़े सम्मानित और उभरते कवियों की भागीदारी से इस अनूठे काव्य उत्सव का आयोजन किया गया, जिनकी उपस्थिति ने इस आयोजन को साहित्य और भावना का एक सुंदर संगम बना दिया। मंच पर कविता पाठ करने वाले कवियों में **श्री रामजीत यादव, श्री संतोष मिश्रा, श्री अंकुश शर्मा, सुश्री सौम्या मिश्रा, श्री प्रतीक दत्तुआर, श्री अनिल कुमार पांडे, सुश्री वंशिका, श्री बुरहानुद्दीन मर्चेंट और सुश्री शिप्रा जानेंद्र सिंह** शामिल थे।

इन कवियों ने विभिन्न विषयों पर कविताएँ सुनाई – कभी प्रेम की कोमल भावनाओं को व्यक्त करते हुए, कभी प्रकृति के अप्रतिम दृश्यों को चित्रित करते हुए; कभी सामाजिक यथार्थ पर तीखे विचार प्रस्तुत करते हुए, तो कहीं हास्य और व्यंग्य की मनमोहक झलकियाँ प्रस्तुत करते हुए।

कार्यक्रम की एक खास बात यह रही कि इसमें न केवल अनुभवी कवियों की परिष्कृत रचनाएँ शामिल थीं, बल्कि युवा प्रतिभाओं के नवीन दृष्टिकोण और ऊर्जा से भी यह मंच समृद्ध हुआ। इस समावेशी वातावरण ने **वसंत काव्योत्सव** को एक जीवंत और संवेदनशील आयोजन में परिवर्तित कर दिया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रकृति, मानवीय भावनाओं और काव्य रचनात्मकता के लिए एक साझा मंच प्रदान करना था। यह मंच उन भावनाओं को आवाज़ देने का माध्यम बना, जिन्हें हम अक्सर अपने दिलों में सहेज कर रखते हैं।

वसंत काव्योत्सव सिर्फ एक साहित्यिक आयोजन नहीं था, बल्कि एक ऐसा अनुभव था जहाँ कविता महज़ शब्दों से कहीं आगे बढ़कर एक अनुभूति, एक दृष्टि और संबंधों का सेतु बन गई।

निश्चित रूप से, ऐसे आयोजन साहित्यिक चेतना को जागृत करते हैं, मानवीयता को गहरा करते हैं, और छात्रों, शिक्षकों तथा सभी श्रोताओं को सौंदर्यबोध, संवेदनशीलता और रचनात्मकता की ओर प्रेरित करते हैं।

प्रदर्शनों को दर्शकों से भरपूर सराहना मिली, और उपस्थित सभी लोगों द्वारा इस आयोजन की खूब प्रशंसा की गई।

शिवानी केंद्र, आईआईटी कानपुर के सह-समन्वयक **प्रोफेसर अर्क वर्मा** ने कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

वसंत काव्योत्सव आईआईटी कानपुर में एक वार्षिक काव्य कार्यक्रम है जो कविता के सौंदर्य का उत्सव मनाता है और जीवंत वसंत ऋतु का स्वागत करता है। यह आईआईटी कानपुर समुदाय के सदस्यों के लिए अपनी काव्य प्रतिभा और रचनात्मकता को व्यक्त करने का एक माध्यम है।

This unique poetry festival featured participation from both esteemed and emerging poets associated with IIT Kanpur, whose presence made the event a beautiful expression of literature and emotion. The poets who performed on stage included **Mr. Ramjeet Yadav, Mr. Santosh Misra, Mr. Ankush Sharma, Ms. Soumya Mishra, Mr. Prateek Daftuar, Mr. Anil Kumar Pandey, Ms. Vanshika, Mr. Burhanuddin Merchant, and Ms. Shipra Gyanendra Singh.**

These poets recited poems on various themes — at times expressing tender feelings of love, at others depicting the unparalleled scenes of nature; sometimes offering sharp reflections on social realities and elsewhere presenting delightful glimpses of humour and satire.

A special feature of the program was that it included not only polished compositions of experienced poets but also the fresh perspectives and vitality of young talents. This inclusive atmosphere transformed **Vasant Kavyotsav** into a lively and sensitive event.

The main objective of this event was to provide a shared platform for nature, human emotions, and poetic creativity. This platform became a medium to voice those feelings that we often keep cherished in our hearts.

Vasant Kavyotsav was not just a literary event, but an experience where poetry transcended mere words to become a feeling, a vision, and a bridge of connections. Such events undoubtedly awaken literary consciousness, deepen humanity, and inspire students, teachers, and all listeners toward a sense of beauty, sensitivity, and creativity of Hindi poetry.

The performances received enthusiastic applause from the audience, and the event was highly appreciated by everyone in attendance.

Prof. Ark Verma, Co-Coordinator of Shivani Centre, IIT Kanpur, expressed gratitude to all participants at the event's conclusion.

Vasant Kavyotsav is an annual poetry event at IIT Kanpur that celebrates the beauty of poetry and welcomes the vibrant spring season. It serves as a medium for members of the IIT Kanpur community to express their poetic talents and creativity.

अनंतिनी: आईआईटी कानपुर में एक हिंदी काव्य संगोष्ठी - जनवरी 4, 2025



Students from HSS moderating the 'Anantini' event. (January 11, 2025)

Anantini: A Hindi Poetry Symposium at IIT Kanpur - January 4, 2025



Prof. Ark Verma felicitating Mr. Harshraj Harsh at the 'Anantini' event. (January 11, 2025)

विश्वहिंदीदिवस के अवसर पर शिवानी केंद्र ने, राजभाषा प्रकोष्ठ एवं छात्र-संचालित साहित्यिक संस्था हिन्दी साहित्य सभा के सहयोग से, हिंदी साहित्य की समृद्ध परंपरा और उसकी भावपूर्ण ऊर्जा का उत्सव मनाने हेतु दो दिवसीय साहित्यिक महोत्सव का आयोजन किया। इस उत्सव का प्रमुख आकर्षण अनंतिनी रहा, जो आईआईटी कानपुर के आउटरीच ऑडिटोरियम में आयोजित एक हिंदी काव्य संगोष्ठी थी।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रोफेसर कान्तेश बालानी (समन्वयक, शिवानी केंद्र) और प्रोफेसर अर्क वर्मा (समन्वयक, राजभाषा प्रकोष्ठ) ने किया। उन्होंने सभी दर्शकों का स्वागत अपने स्वागत उद्बोधन से किया, जिसने इस काव्यसंध्या की साहित्यिक भावना को एक सुंदर रूप दिया।

अनंतिनी कार्यक्रम ने संस्थान के साहित्य प्रेमियों को एक साथ लाकर जाने-माने हिंदी कवियों की शानदार रचनाएँ सुनने का अवसर प्रदान किया। इस कवि सम्मेलन में कई प्रसिद्ध कवि शामिल हुए, जिनमें श्री एकाग्र शर्मा (मेज़बान), सुश्री बाबुषा कोहली, श्री वरुण आनंद, श्री अभिषेक शुक्ला, श्री गौरव 'साक्षी', श्री बालमोहन पांडे, श्री अली हैदर और श्री हर्षराज हर्ष शामिल रहे। हर कवि ने अपनी प्रभावशाली कविताओं की प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया।

To mark the occasion of **Vishwa Hindi Diwas**, **Shivani Centre**, in collaboration with **Hindi cell** and **Hindi Sahitya Sabha** – a student-driven literary body, hosted a two-day literary festival celebrating the richness and expressive power of Hindi literature. A key highlight of this celebration was Anantini, a Hindi poetry symposium held at the Outreach Auditorium of IIT Kanpur.

The event was inaugurated by **Prof. Kantesh Balani** (Coordinator, Shivani Centre) and **Prof. Ark Verma** (Co-Coordinator, Hindi Cell), who welcomed the audience and provided thoughtful opening remarks that framed the evening's literary spirit.

Anantini brought together literature lovers across the campus to engage with the creative brilliance of renowned Hindi poets. The symposium featured eminent poets such as **Mr. Ekagra Sharma** (host), **Ms. Babusha Kohli**, **Mr. Varun Anand**, **Mr. Abhishek Shukla**, **Mr. Gaurav 'Sakshi'**, **Mr. Balmohan Pandey**, **Mr. Ali Haider**, and **Mr. Harshraj Harsh**. Each artist captivated the audience with powerful recitations filled with emotion, introspection, and cultural pride.

श्री वरुण आनंद की कविता, "चाँद सितारे फूल परिंदे शाम सवेरा एक तरफ, सारी दुनिया उसका चर्बा उसका चेहरा एक तरफ" ने प्रेम के विविध रंगों का सुंदर चित्रण किया। **श्री अभिषेक शुक्ला** ने अपनी पंक्तियों "चलते हुए मुझ में कहीं ठहरा हुआ तू है, रास्ता नहीं मंज़िल नहीं अच्छा हुआ तू है" के माध्यम से आत्मचिंतन और आत्म-खोज की भावनाओं को बड़े भावुक ढंग से प्रस्तुत किया। **श्री गौरव 'साक्षी'** की पंक्तियाँ "लड़खड़ाए कभी संभाला है, तेरे सांचे में खुद को ढाला है... तुझको पाने को जंग जीती है, कोई सिक्का नहीं उछाला है" व्यक्तिगत संघर्ष और आत्म-विकास की गहराई को उजागर करती हैं। **श्री बालमोहन पांडे** की कविता "आगाज़ से अंजाम-ए-सफ़र देख रहा हूँ, देखा नहीं जाता है मगर देख रहा हूँ" जीवन की जटिलताओं और रहस्यों पर गंभीर विचार प्रस्तुत करती है। वहीं, **सुश्री बाबुषा कोहली** की मार्मिक कविता "तुम्हें औषधि मिले, पीर न मिले... दृष्टि मिले, दृश्य न मिले... नींद मिले, स्वप्न न मिले" ने जीवन की विडंबनाओं और भावनात्मक गहराइयों को प्रभावशाली ढंग से दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया।

कवियों की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कविताओं की संवेदनशीलता और अभिव्यक्ति ने दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ते हुए सोचने के लिए प्रेरित किया। तालियों की गूंज और सराहना से सभागार का वातावरण सरस और जीवंत हो उठा, जो हिंदी कविता की प्रभावशीलता का परिचायक था।



Poet Mr. Ekagra Sharma expressing his verses at the 'Anantini' event.
(January 11, 2025)

Mr. Varun Anand's poem, "Chaand sitaare phool parinde shaam savera ek taraf, saari duniya uska charba uska chehra ek taraf," painted a vivid portrayal of love's many facets. **Mr. Abhishek Shukla** offered heartfelt introspection with lines like, "Chalte hue mujh mein kahin thahra hua tu hai, rasta nahin manzil nahin accha hua tu hai," exploring themes of longing and self-discovery. **Mr. Gaurav 'Sakshi'** reflected on personal struggle and growth through, "Ladkhadaaye kabhi sambhaala hai, tere saanche mein khud ko daala hai, Tujhko paane ko jang jeeti hai, koi sikka nahin uchhaala hai." **Mr. Balmohan Pandey** contemplated the mysteries of life with, "Aaghaaz se anjaam-e-safar dekh raha hoon, dekha nahin jaata hai magar dekh raha hoon." **Ms. Babusha Kohli** delivered a layered performance with her poignant poem, "Tumhe aushadh mile, peer na mile... drishti mile, drishya na mile... Neend mile, swapna na mile." Capturing life's ironies and emotional strength.

The audience was truly captivated by the poets' performances, which were met with loud applause and heartfelt appreciation. The poems deeply touched the listeners, inspiring reflection and emotional connection. The lively atmosphere in the auditorium reflected the deep impact and emotional power of Hindi poetry.



Cheering audience at the 'Anantini' event.
(January 11, 2025)

अनंतिनी, एक साहित्यिक कार्यक्रम से कहीं ज़्यादा, एक मनोरंजक अनुभव था। कविता, शायरी और विचारशील संवादों की प्रस्तुति ने इस कार्यक्रम को एक यादगार साँस्कृतिक शाम बना दिया। इसने दर्शकों को हिंदी साहित्य के प्रति रुचि को और विकसित करने में मदद की और उपस्थित कई युवा लोगों को भाषा की साहित्यिक विरासत से गहराई से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का समापन **प्रोफेसर अर्क वर्मा** के प्रेरणादायक समापन भाषण से हुआ। उन्होंने अपने भाषण में हिंदी साहित्य के उत्सव को मनाने और उसे बचाए रखने की अहमियत बताई। उन्होंने आईआईटी कानपुर में ऐसे समृद्ध साँस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

अनंतिनी जैसे आयोजनों के माध्यम से शिवानी केंद्र संस्थान परिसर में साहित्यिक गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। यह मंच साहित्य प्रेमियों को एक साथ लाने के साथ-साथ नई पीढ़ी को हिंदी भाषा और उसकी समृद्ध परंपरा से जुड़ने के लिए प्रेरित करता है। यह पहल विद्यार्थियों और समुदाय को भाषा और रचनात्मक अभिव्यक्ति के विभिन्न रूपों को समझने और अपनाने का अवसर भी देती है।

More than just a literary showcase, Anantini was an immersive experience- blending poetry, shayari, and thoughtful expression to create a memorable cultural evening. It helped deepen the audience's appreciation for Hindi literature and encouraged many young attendees to connect more deeply with the language's literary heritage.

The event concluded with closing remarks by **Prof. Ark Verma**, who emphasized the importance of celebrating and preserving Hindi literature and encouraged the continued hosting of such enriching cultural events at IIT Kanpur.

Through initiatives like Anantini, Shivani Centre continues to promote a vibrant literary culture on campus, providing a platform for literature enthusiasts and inspiring a new generation to connect with and celebrate the Hindi language and its rich literary heritage. It encourages students and the wider community to explore language, creativity, and expression in all its forms.



Organisers and performers of the 'Anantini' event. (January 11, 2025)

अभ्युदय: हिंदी कथा-कला की अभिव्यक्ति - 5 जनवरी, 2025

Abhyuday: The Art of Hindi Storytelling - January 5, 2025



Prof. Ark Verma, alongside HSS students, inaugurating the 'Abhyuday' event. (January 5, 2025)



HSS students hosting the 'Abhyuday' event. (January 5, 2025)



Storyteller Ms. Mehek Mirza Prabhu performing at the 'Abhyuday' event. (January 5, 2025)

5 जनवरी, 2025 को कहानी-कथन कार्यक्रम **अभ्युदय** आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में था, ताकि हिंदी भाषा की गरिमा और उसकी वैश्विक प्रासंगिकता को रेखांकित किया जा सके। यह आयोजन **शिवानी केंद्र, राजभाषा प्रकोष्ठ** और छात्रों द्वारा संचालित **हिन्दी साहित्य सभा** के संयुक्त सहयोग से सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ शिवानी केंद्र के सह-समन्वयक **प्रोफेसर अर्क वर्मा** तथा हिन्दी साहित्य सभा के संयोजकों द्वारा किया गया, जिससे कार्यक्रम का शुभारंभ आकर्षक और प्रेरणादायक रहा।

कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध कथाकार **सुश्री मेहेक मिर्ज़ा प्रभु** ने अपनी कहानियाँ '**आजी की कॉफी**' और '**झुमका**' प्रस्तुत कर श्रोताओं को गहराई से प्रभावित किया। उनके बाद **श्री अमनदीप ख्याल** की कहानी '**मेरे हाथ की चाय**' ने अपनी सरल और भावनात्मक प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम को सभी ने सराहा। यह आयोजन साहित्य प्रेमियों के लिए एक यादगार अनुभव बन गया।

यह आयोजन न केवल हिंदी की जीवंत कहानी कहने की परंपरा का उत्सव था, बल्कि इसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को भाषा और उसकी साहित्यिक विरासत को अपनाने के लिए प्रेरित करना भी था। आईआईटी कानपुर में आयोजित यह दो दिवसीय साहित्यिक उत्सव, शिवानी केंद्र के उस निरंतर प्रयास का एक महत्वपूर्ण चरण है, जिसका उद्देश्य छात्रों और व्यापक समुदाय में हिंदी साहित्य के प्रति प्रेम और रुचि को बढ़ावा देना है।

Abhyuday, storytelling event held on January 5, 2025, was organized as part of the celebrations for **Vishwa Hindi Diwas**, commemorating the significance of the Hindi language. The event was hosted by **Shivani Centre** in collaboration with **Hindi Cell** and **Hindi Sahitya Sabha**, a student-led Hindi literary group.

The program was inaugurated by **Prof. Ark Verma**, Co-Coordinator of Shivani Centre, along with the coordinators of Hindi Sahitya Sabha, creating an engaging and motivating start to the event.

Esteemed storyteller **Ms. Mehek Mirza Prabhu** captivated the audience with her powerful narratives. Her stories '**Aaji Ki Coffee**' and '**Jhumka**' resonated deeply, stirring emotions and reflections among listeners. This was followed by **Mr. Amandeep Khyal's** story '**Mere Haath Ki Chai**', which mesmerized the crowd with its heartfelt simplicity. The event was well received and appreciated by everyone and was a resounding success, drawing literature enthusiasts from across the campus and local community.

This event not only celebrated Hindi's vibrant storytelling tradition but also sought to inspire the younger generation to embrace the language and its literary heritage. The two-day literary festival, held at IIT Kanpur, stands as a significant milestone in Shivani Centre's ongoing mission to foster a love for Hindi literature within both the student body and the community of IIT campus.

कार्यक्रम का समापन हिन्दी साहित्य सभा के समन्वयकों द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने प्रतिभागियों और दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया। सभी प्रस्तुतियों को दर्शकों द्वारा सराहा गया, जो कार्यक्रम की सफलता को दर्शाता है। यह आयोजन दर्शकों को प्रेरित करने के साथ-साथ भविष्य के साहित्यिक आयोजनों के लिए भी उत्साहित कर गया।

इन आयोजनों के माध्यम से, शिवानी केंद्र, एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है जहाँ हिंदी साहित्य के प्रति उत्साही लोग एकत्र होकर अपनी अभिरूचियों को साझा कर सकते हैं और भाषा के प्रति अपने लगाव को और प्रगाढ़ बना सकते हैं। इस आयोजन का उद्देश्य युवा दर्शकों के बीच हिंदी साहित्य में रुचि जगाना और कहानी कहने की कला के प्रति एक गहरी लगन विकसित करना था।

The event concluded with closing remarks by the coordinators of Hindi Sahitya Sabha, expressing gratitude to the participants and the audience. The performances received unanimous admiration and applause, reflecting the event's success leaving the audience inspired and eager for more literary engagements.

Through events like these, Shivani Centre provides a vital platform where Hindi literature enthusiasts can gather, share, and grow their appreciation for the language. The objective of the event was to ignite interest in Hindi literature among young audiences and foster a passion for storytelling.



Storyteller Mr. Amandeep Khyal sharing his tales at the 'Abhyuday' event. (January 5, 2025)



The audience crowd immersed in the tales at 'Abhyuday' event. (January 5, 2025)



The team of performers and organisers of 'Abhyuday'. (January 5, 2025)

आईआईटी कानपुर के छात्रों के लिए आगामी फाइन आर्ट्स की कार्यशालाएँ - अगस्त 2025

शिवानी सेंटर, ललित कला अनुशासन के अनुसंधान विद्वानों के सहयोग से, चित्रकला और ललित कला पर केंद्रित कक्षाओं की एक विशेष श्रृंखला आयोजित करने की योजना बना रहा है। ये सत्र उन छात्रों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं जिनकी दृश्य कला के विभिन्न पहलुओं की खोज करने और अपने कलात्मक कौशल विकसित करने में गहरी रुचि है।

ये कक्षाएँ अगस्त 2025 से शुरू होने वाली हैं, जो छात्रों को शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में रचनात्मक कलाओं से जुड़ने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करेंगी।

इस प्रयास का मुख्य उद्देश्य आईआईटी कानपुर के कला-प्रेमी छात्रों को एक रचनात्मक मंच उपलब्ध कराना है। इस क्षेत्र में कार्यरत शोधकर्ताओं के मार्गदर्शन में, प्रतिभागियों को एक संरचित और सहायक वातावरण मिलेगा, जहाँ वे अपनी रचनात्मकता को व्यक्त कर सकेंगे और नई तकनीकों सीख सकेंगे।

शुरुआती दौर में, ये कक्षाएँ विशेष रूप से आईआईटी कानपुर के समुदाय के छात्रों के लिए ही चलाई जाएंगी। इस केंद्रित दृष्टिकोण से एक ऐसा शिक्षण माहौल बनाने में मदद मिलेगी जो विशेष रूप से छात्रों की ज़रूरतों को पूरा करे और उन पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान दे सके।

जबकि शिवानी केंद्र मुख्य रूप से भारतीय भाषाओं और साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित है, यह साहित्य और दृश्य कलाओं के बीच गहरे अंतर्संबंध को भी पहचानता है। यह पहल कलात्मक अभिव्यक्ति के व्यापक रूपों का पता लगाने और उन्हें प्रोत्साहित करने का एक प्रयास है—जहां पेंटिंग, कहानी-कथन और काव्यात्मक कल्पना अक्सर एक दूसरे से जुड़ती हैं। विभिन्न विषयों में रचनात्मकता को बढ़ावा देकर, केंद्र का उद्देश्य सांस्कृतिक और कलात्मक परंपराओं की समग्र सराहना को प्रेरित करना है।

शिवानी केंद्र का मानना है कि इस तरह के प्रयास न केवल छात्रों के कलात्मक विकास में सहायक होती हैं, बल्कि उन्हें अपनी अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ फाइन आर्ट्स के व्यावहारिक पहलुओं से भी परिचित कराती हैं। इन कक्षाओं में चित्रकला और पेंटिंग की मूलभूत तकनीकों से लेकर फाइन आर्ट्स की उन्नत अवधारणाओं तक, विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल होगी।

हम सभी इच्छुक छात्रों को इस आगामी कार्यक्रम का हिस्सा बनने और अपनी कलात्मक यात्रा में एक कदम आगे बढ़ाने के लिए हार्दिक आमंत्रित करते हैं।

Upcoming Fine Art Workshops for IIT Kanpur Students - August 2025

Shivani Centre, in collaboration with research scholars from the Fine Arts discipline of IIT Kanpur, is planning to organize a special series of classes focused on painting and fine arts. These sessions are designed for students who have a keen interest in exploring various aspects of visual art and developing their artistic skills.

The classes are scheduled to begin in August 2025, providing an excellent opportunity for students to engage with creative arts early in the academic year.

The primary aim of this initiative is to provide a creative platform for students at IIT Kanpur who are passionate about art. Under the guidance of researchers working in the field, participants will have the opportunity to express their creativity and learn new techniques in a structured and supportive environment.

In the initial phase, the classes will be offered exclusively to students within the IITK community. This focused approach will help create a learning space that caters specifically to student needs and allows for individual attention.

While Shivani Centre is primarily dedicated to the promotion of Indian languages and literature, it also recognizes the deep interconnection between literature and the visual arts. This initiative is an effort to explore and encourage artistic expression in its broader forms—where painting, storytelling, and poetic imagination often intersect. By nurturing creativity across disciplines, the Centre aims to inspire a holistic appreciation of cultural and artistic traditions.

Shivani Centre believes that such initiatives not only support the artistic growth of students but also provide them with valuable exposure to practical aspects of fine arts alongside their academic pursuits. The classes will cover a wide range of topics—from fundamental techniques in drawing and painting to advanced concepts in fine arts.

अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए हिंदी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम - जनवरी-जून 2025



Inauguration of the Hindi Learning Programme for International Students. (January 23, 2025)

Hindi Learning Programme for International Students - January-June 2025



Prof. Kantesh Balani conducting an interactive session on learning Hindi. (February 2025)

अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग (DoIR) के अनुरोध पर, आईआईटी कानपुर के शिवानी केंद्र ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को हिंदी सीखने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। यह कार्यक्रम पिछले साल अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग (DoIR) के विशेष अनुरोध पर शुरू किया गया था।

जनवरी से जून 2025 तक चलने वाले वर्तमान सत्र का उद्घाटन **प्रोफेसर कान्तेश बालानी** (समन्वयक, शिवानी केंद्र), **प्रोफेसर बुशरा अतीक** (डीन, अंतर्राष्ट्रीय संबंध) द्वारा किया गया। साथ में शिवानी केंद्र से **सुश्री मैत्रेयी**, **श्री गोविंद** और **श्री सुधांशु** एवं DoIR कार्यालय से **श्री शंभू** और **श्री अनूप** शामिल रहे।

इस पहल का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को हिंदी भाषा का ज्ञान प्रदान करना है, ताकि वे न केवल परिसर समुदाय से बेहतर जुड़ाव महसूस कर सकें, बल्कि भारतीय संस्कृति से भी गहरा संबंध स्थापित कर सकें। यह कार्यक्रम इस समझ के आधार पर बनाया गया है कि किसी समुदाय का अंग बनने में भाषा की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। इसी के ज़रिए अंतर्राष्ट्रीय छात्र आईआईटी कानपुर के परिवेश में आसानी से घुल-मिल सकते हैं।

कार्यक्रम के उद्देश्य:

- **व्यापक भाषा प्रशिक्षण:** हिंदी बोलने, सुनने और समझने में प्रशिक्षण देना।
- **सांस्कृतिक जागरूकता:** छात्रों को अपने परिवेश को बेहतर ढंग से समझने में मदद करने के लिए भारतीय संस्कृति और समाज में अंतर्दृष्टि प्रदान करना।

Shivani Centre at IIT Kanpur, at the request of the Department of International Relations (DoIR), has undertaken a significant initiative designed to help international students learn Hindi. This program was launched last year at the special request of the Department of International Relations (DoIR).

The current session, running from January to June 2025, was inaugurated by **Prof. Kantesh Balani** (Coordinator, Shivani Centre), **Prof. Bushra Ateeq** (Dean, International Relations), along with **Ms. Maitreyi**, **Mr. Govind**, and **Mr. Sudhanshu** from Shivani Centre, and **Mr. Shambhu** and **Mr. Anoop** from DoIR office.

This initiative aims to equip international students with Hindi language skills, fostering a deeper connection with both the campus community and Indian culture. Recognizing how crucial language is to feeling part of a community, the program helps international students integrate more smoothly into life at IIT Kanpur.

Objectives of the Program:

- **Comprehensive Language Training:** Training in speaking, listening, and understanding Hindi.
- **Cultural Awareness:** Offering insights into Indian culture and society to help students appreciate their surroundings better.

- **संचार में आत्मविश्वास बढ़ाना:** अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को हिंदी में प्रभावी ढंग से संवाद करने में आत्मविश्वास हासिल करने में मदद करना।
- **सामाजिक एकीकरण को बढ़ावा देना:** परिसर में अपनेपन की भावना को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के बीच सामाजिक संबंधों को प्रोत्साहित करना।

इसके अतिरिक्त, छात्रों को हिंदी व्याकरण का प्रारंभिक ज्ञान दिया जा रहा है और वे प्रतिदिन के जीवन में उपयोग होने वाली बातचीत का अभ्यास कर रहे हैं। इसका लक्ष्य उन्हें अपने आसपास के लोगों के साथ अधिक प्रभावी ढंग से संवाद करने और भारतीय समाज में आसानी से घुलने-मिलने में मदद करना है।

शिवानी केंद्र में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए आयोजित हिंदी सीखने की कक्षाओं का यह दूसरा सत्र है। सप्ताह में दो बार शाम की कक्षाएँ केंद्र में आयोजित की जाती हैं, जिसमें लगभग 15 अंतर्राष्ट्रीय छात्र सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। *इंडोनेशिया, इथियोपिया, सीरिया, श्रीलंका, नेपाल और अमेरिका* जैसे देशों के छात्र इस कार्यक्रम का हिस्सा हैं, जिससे कक्षा का वातावरण विविध और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनता है।

आईआईटी कानपुर द्वारा इस कार्यक्रम का शुभारंभ सभी पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए एक सहायक वातावरण को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ऐसी पहलों के माध्यम से, शिवानी केंद्र दुनिया भर के छात्रों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और समझ को बढ़ावा देना जारी रखता है, जिससे उनके आपसी संबंध मजबूत होते हैं। भाषा और सांस्कृतिक सहायता प्रदान करके, केंद्र का लक्ष्य अपने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के समग्र शैक्षणिक और सामाजिक अनुभव को बेहतर बनाना है।

- **Building Communication Confidence:** Helping international students gain confidence in communicating effectively in Hindi.
- **Promoting Social Integration:** Encouraging social connections between local and international students to foster a sense of belonging on campus.

In addition, students are being introduced to basic Hindi grammar and are practicing conversations used in daily life. The goal is to help them communicate more effectively with those around them and integrate more easily into Indian society.

This is the second session of the Hindi learning classes held at Shivani Centre for international students. Evening classes are conducted twice a week at the Centre, with approximately fifteen international students actively participating. Students from countries such as *Indonesia, Ethiopia, U.S., Syria, Sri Lanka, and Nepal* are part of the program, creating a diverse and culturally rich classroom environment.

The launch of this program reflects IIT Kanpur's commitment to fostering a supportive environment for students from all backgrounds. Through such initiatives, Shivani Centre continues to promote cultural exchange and understanding, strengthening bonds among students from across the world. By offering language and cultural support, the Centre aims to enhance the overall academic and social experience of its international students.



Hindi tutoring session conducted by Ms. Maitreyi Agarwal. (April 2025)



Prof. Bushra Ateeq addressing international students at Shivani Centre. (January 23, 2025)

एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) छात्र स्वयंसेवकों द्वारा शैक्षणिक पाठ्यक्रम सामग्री का निर्माण



Prof. Niraj Mohan Chawake convening with NSS volunteers at the Shivani Centre.

आईआईटी कानपुर स्थित शिवानी केंद्र उन छात्रों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध है, जो गैर-अंग्रेजी भाषी पृष्ठभूमि से आते हैं और जिन्हें कक्षाओं में पढ़ाए जाने वाले अकादमिक विषयों को समझने में चुनौतियाँ आ सकती हैं। इसी प्रयास के तहत, एनएसएस के छात्र स्वयंसेवकों ने प्रथम वर्ष के प्रमुख पाठ्यक्रमों जैसे PHY 112, PHY 113, PHY 114, PHY 115, MTH 111, MTH 112, और CHM 112 के लिए 40 वीडियो पाठ तैयार किए हैं। यह पहल **प्रोफेसर कान्तेश बालानी** (शिवानी केंद्र समन्वयक) और **प्रोफेसर नीरज मोहन चवाके** (एनएसएस समन्वयक) के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

एनएसएस के 20 छात्र स्वयंसेवकों ने इस प्रयास में अपना योगदान दिया। ये छात्र रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित और इंजीनियरिंग के विभिन्न विभागों सहित विविध शैक्षणिक पृष्ठभूमि से आते हैं। उन्होंने मुख्य रूप से हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में ऑडियो, वीडियो और अनुवादित सामग्री बनाने पर काम किया।

शिवानी केंद्र ने माइक्रोफोन, रिकॉर्डर, लैपटॉप तथा ऑडियो और वीडियो निर्माण हेतु कक्षों की व्यवस्था कर आवश्यक सहयोग प्रदान किया। इस सहयोगात्मक प्रयास का उद्देश्य छात्रों, संकाय सदस्यों और शिवानी केंद्र को एक साथ लाते हुए भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करना और शिक्षण सामग्री की पहुँच को बेहतर बनाना है, ताकि दूरदराज़ और ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को अधिक लाभ मिल सके।

इन शैक्षणिक वीडियो का संपादन पूरा हो चुका है, और शिक्षकों द्वारा सत्यापन के बाद, ये वीडियो जल्द ही शिवानी केंद्र की वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाएंगे।

इस पहल से उन छात्रों को सहायता मिलने की उम्मीद है जिन्हें भाषा सहायता की आवश्यकता है, और इससे आईआईटी कानपुर में उनका शैक्षणिक अनुभव को अधिक आरामदायक और सुलभ बनाने में मदद मिलेगी।

Creation of Academic Course Materials by NSS (National Service Scheme) Volunteers



NSS volunteers at Shivani Centre.

Shivani Centre at IIT Kanpur is committed to supporting students from non-English-speaking backgrounds who may face challenges in understanding academic content delivered in classrooms. As part of this effort, NSS student volunteers have developed 40 video lessons for key first-year courses including PHY 112, PHY 113, PHY 114, PHY 115, MTH 111, MTH 112, and CHM 112. This initiative was carried out under the guidance of **Prof. Kantesh Balani** (Shivani Centre Coordinator) and **Prof. Niraj Mohan Chawake** (NSS Coordinator).

A total of 20 NSS volunteers contributed to this initiative. These students come from diverse academic backgrounds, including Chemistry, Physics, Mathematics, and various Engineering departments. They worked on creating audio, video, and translated content primarily in Hindi and other regional languages.

Shivani Centre provided necessary support by supplying microphones, recorders, laptops, and dedicated rooms for audio and video production. This collaborative effort—bringing together students, faculty members, and the Shivani Centre—aims to help students from remote or rural areas by addressing language barriers and improving access to classroom content.

The editing of these educational videos has been completed, and after verification by faculty members, the videos will be made available on the Shivani Centre website in the near future.

This initiative is expected to support students who need language assistance and help make their academic experience at IIT Kanpur more comfortable and accessible.

हिन्दी साहित्य सभा समन्वयकों के साथ सहयोगात्मक बैठक - 30 मई, 2025

Collaborative Meeting with Hindi Sahitya Sabha Coordinators - May 30, 2025



Collaborative Meeting with Hindi Sahitya Sabha – Shivani Centre (May 30, 2025)

30 मई, 2025 को शिवानी केंद्र में शिवानी केंद्र और हिन्दी साहित्य सभा के बीच एक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान, हिन्दी साहित्य सभा के निवर्तमान समन्वयकों को उनके बहुमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया और नव निर्वाचित समन्वयकों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। भविष्य की संयुक्त साहित्यिक गतिविधियों की योजनाओं पर भी चर्चा हुई। बैठक में निवर्तमान समन्वयक **श्री छायांक**, **श्री भाविक**, और **श्री आशुतोष** एवं नवनिर्वाचित समन्वयक **श्री संजय खरा**, **श्री उत्कर्ष**, **श्री प्रिंस**, और **श्री सौभाग्य** तथा शिवानी केंद्र के सदस्य **सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल**, **श्री सुधांशु**, और **श्री गोविंद** उपस्थित थे।

मुख्य चर्चाएँ और परिणाम

- **निवर्तमान समन्वयकों से अंतर्दृष्टि:** निवर्तमान समन्वयकों ने पिछले वर्ष शिवानी केंद्र के साथ काम करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि संयुक्त साहित्यिक कार्यक्रम सफल रहे और उनसे परिसर में साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाने में मदद मिली। उन्होंने यह भी कहा कि इस सहयोग से उन्हें व्यक्तिगत रूप से विकसित होने में मदद मिली और उन्होंने नए समन्वयकों को नई ऊर्जा के साथ काम जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।
- **नए समन्वयकों की प्रतिबद्धता:** नए समन्वयकों ने साहित्य के प्रति दृढ़ समर्पण दिखाया और शिवानी केंद्र के साथ आगामी गतिविधियों के लिए अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मिलकर काम करने से साहित्य में रुचि रखने वाले सभी छात्रों के लिए एक सकारात्मक, स्वागत योग्य और रचनात्मक स्थान बनेगा।

A meeting between *Shivani Centre* and the *Hindi Sahitya Sabha* was held on May 30, 2025, at Shivani Centre. During the meeting, gratitude was expressed to the outgoing coordinators of the Hindi Sahitya Sabha for their valuable contributions, and the newly elected coordinators were warmly welcomed. Plans for future joint literary activities were also discussed.

The meeting was attended by outgoing coordinators **Mr. Chhayank**, **Mr. Bhavik**, and **Mr. Ashutosh**; newly elected coordinators **Mr. Sanjay Khara**, **Mr. Utkarsh**, **Mr. Prince**, and **Mr. Saubhagya**; and Shivani Centre members **Ms. Maitreyi Agrawal**, **Mr. Sudhanshu**, and **Mr. Govind**.

Key Discussions and Outcomes

- **Insights from Outgoing Coordinators:** The outgoing coordinators talked about their experience working with the Shivani Centre over the past year. They shared how the joint literary events were successful and helped increase interest in literature on campus. They also said this collaboration helped them grow personally and encouraged the new coordinators to keep the work going with new energy.
- **Commitment from New Coordinators:** The new coordinators showed strong dedication to literature and expressed their support for upcoming activities with Shivani Centre. They said that working together will create a positive, welcoming, and creative space for all students interested in literature.

- **शिवानी केंद्र द्वारा भविष्य की योजनाएँ:** शिवानी केंद्र ने आगामी आयोजनों जैसे गाथा महोत्सव, मुंशी प्रेमचंद स्मृति कार्यक्रम, अक्षर - एक आईआईटी कानपुर साहित्यिक उत्सव, और विश्व हिंदी दिवस के लिए योजनाएँ साझा कीं। यह एक साझा दृष्टिकोण था कि परिसर में साहित्य के लिए एक मजबूत स्थान बनाने के लिए अधिक छात्र भागीदारी की आवश्यकता है।
- **भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देना:** बैठक ने भविष्य के कार्यक्रमों में बंगाली, तमिल, मराठी, कन्नड़ और गुजराती जैसी अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य को शामिल करने का समर्थन किया। इससे गैर-हिंदी भाषी छात्रों को भाग लेने का अवसर मिलेगा और भारत की समृद्ध भाषाई विविधता को समावेशी तरीके से मनाने में मदद मिलेगी।

बातचीत में यह भी सुझाव दिया गया कि बड़े वार्षिक आयोजनों के साथ-साथ हर महीने एक या दो छोटे साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ। इससे छात्रों को नियमित रूप से साहित्यिक कार्यक्रमों में भाग लेने और अपनी रचनात्मकता व्यक्त करने के अधिक अवसर मिलेंगे।

यह बैठक हिन्दी साहित्य सभा और शिवानी केंद्र के बीच सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। इसने आईआईटी कानपुर में अधिक आकर्षक साहित्यिक गतिविधियों की शुरुआत की, जहाँ छात्र स्वतंत्र रूप से अपने विचार साझा कर सकते हैं और अपनी रचनात्मकता का पता लगा सकते हैं।

- **Future Plans by Shivani Centre:** Shivani Centre shared plans for upcoming events like Gatha Mahotsav, Munshi Premchand Memorial Event, Akshar- An IIT Kanpur literary festival, and Vishwa Hindi Diwas. There was a shared view that more student participation is needed build a stronger appreciation for literature on campus.
- **Promoting Indian Languages:** The meeting endorsed the inclusion of literature from other Indian languages such as Bengali, Tamil, Marathi, Kannada, and Gujarati in future programs. This will give non-Hindi-speaking students a chance to participate and help celebrate India's rich language diversity in an inclusive way.

It was also suggested to hold one or two smaller literary programs every month, along with the big annual events. This will give students more chances to take part and express their creativity regularly.

This meeting was an important step toward strengthening collaboration between the Hindi Sahitya Sabha and the Shivani Centre. It marked the introduction of more engaging literary activities at IIT Kanpur, where students can freely share ideas and explore their creativity.

शिवानी केंद्र की सलाहकार बोर्ड बैठक - 5 मई, 2025

आईआईटी कानपुर स्थित शिवानी केंद्र ने 5 मई, 2025 को अपनी 5वीं सलाहकार बोर्ड बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में **प्रोफेसर कान्तेश बालानी, प्रोफेसर अर्क वर्मा, प्रोफेसर अशोक डे, प्रोफेसर अरुणभ मेश्राम** और शिवानी केंद्र के सदस्य, जिनमें **सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल, श्री धनंजय, श्री विजय पांडे, श्री जगदीश प्रसाद, श्री सुधांशु और श्री गोविंद शामिल** थे, व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे।

Advisory Board Meeting of Shivani Centre - May 5, 2025

Shivani Centre at IIT Kanpur held its 5th Advisory Board Meeting on May 5, 2025. The meeting was attended in person by **Prof. Kantesh Balani, Prof. Ark Verma, Prof. Ashok De, Prof. Arunabh Meshram**, and Shivani Centre members including **Ms. Maitreyi Agrawal, Mr. Dhananjay, Mr. Vijay Pandey, Mr. Jagdish Prasad, Mr. Sudhanshu, and Mr. Govind.**



Snapshots from the Advisory Board Meeting at Shivani Centre (May 5, 2025)

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ने वाले सदस्यों में **श्री मुक्तेश पंत, प्रोफेसर टी.वी. प्रभाकर, प्रोफेसर अचला रैना, प्रोफेसर तरुण गुप्ता, प्रोफेसर संतोष मिश्रा, प्रोफेसर अमर बेहेरा, प्रोफेसर नीरज चवाके और प्रोफेसर उर्बी चटर्जी** शामिल थे।

प्रोफेसर कान्तेश बालानी ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और पिछले आठ महीनों में शिवानी केंद्र की पहलों और उपलब्धियों का सारांश प्रस्तुत किया। उन्होंने केंद्र के लिए भवन स्थान के आवंटन और वर्चुअल लैब इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर जानकारी साझा की।

आगामी योजनाएँ और पहल

- **कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण:** प्रख्यात लेखक श्री अशोक चक्रधर को भाषा विज्ञान, अनुवाद और भाषा प्रौद्योगिकियों पर छात्र कार्यशालाएँ आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।
- **शैक्षणिक संसाधन विकास:** प्रोफेसर नीरज चवाके और प्रोफेसर कान्तेश बालानी के मार्गदर्शन में, एनएसएस स्वयंसेवक प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों (द्वितीय सेमेस्टर 2024-25 और प्रथम सेमेस्टर 2025-26) के लिए हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में वीडियो व्याख्यान और पाठ्यक्रम सारांश तैयार करेंगे।
- **अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए हिंदी कक्षाएँ:** परिसर में सांस्कृतिक एकीकरण का समर्थन करने के लिए जुलाई से दिसंबर 2025 तक एक नया बैच संचालित किया जाएगा।

मुख्य मुद्दाव और नए प्रस्ताव

- **तकनीकी नवाचार:** श्री मुक्तेश पंत ने क्षेत्रीय भाषाओं के फॉन्ट विकसित करने, स्क्रिप्ट राइटिंग टूल को बेहतर बनाने और छात्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ अनुवाद की गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर दिया।
- **सर्वेक्षण और वीआर परियोजनाएँ:** प्रोफेसर टी.वी. प्रभाकर और प्रोफेसर अर्क वर्मा ने भाषा वरीयताओं पर छात्रों का सर्वेक्षण करने और "शिवानी की आवाज में शिवानी की कहानी" जैसे वीआर स्टोरीटेलिंग प्रोजेक्ट शुरू करने का प्रस्ताव दिया।

Members who joined via video conferencing included **Mr. Muktesh Pant, Prof. T.V. Prabhakar, Prof. Achala Raina, Prof. Tarun Gupta, Prof. Santosh Misra, Prof. Amar Behra, Prof. Niraj Chawake, and Prof. Urbi Chatterjee.**

Prof. Balani welcomed all members and presented a summary of the Centre's initiatives and achievements over the past eight months. He also shared updates on the allocation of building space for the Centre and progress on the development of virtual lab infrastructure.

Upcoming Plans and Initiatives

- **Workshops and Training:** Renowned writer Mr. Ashok Chakradhar will be invited to conduct student workshops on linguistics, translation, and language technologies.
- **Educational Resource Development:** Under the guidance of Prof. Niraj Chawake and Prof. Kantesh Balani, NSS volunteers will create video lectures and course summaries in Hindi and other Indian languages for first-year courses (Second Semester 2024-25 and First Semester 2025-26).
- **Hindi Classes for International Students:** A new batch will be conducted from July to December 2025 to support cultural integration on campus.

Key Suggestions and New Proposals

- **Technological Innovation:** Mr. Muktesh Pant emphasized the importance of developing regional language fonts, improving scriptwriting tools, and enhancing translation quality with active student involvement.
- **Surveys and VR Projects:** Prof. T.V. Prabhakar and Prof. Ark Verma proposed conducting a student survey on language preferences and launching VR storytelling projects like "Shivani ki Awaaz Mein Shivani ki Kahani."

- **शैक्षिक सामग्री का एकीकरण:** प्रोफेसर अचला रैना ने शिवानी केंद्र की मूल सामग्री के साथ एनपीटीईएल के हिंदी पाठ्यक्रमों को एकीकृत करने और आउटरीच के लिए 'सेवाएं प्रभा' प्लेटफॉर्म का लाभ उठाने की सिफारिश की।
- **सामग्री सत्यापन:** प्रोफेसर नीरज चवाके ने सुझाव दिया कि NSS द्वारा बनाए गए लगभग 40 क्षेत्रीय भाषा के वीडियो को अपलोड करने से पहले संकाय द्वारा उनकी समीक्षा की जाए। प्रोफेसर संतोष मिश्रा ने प्रूफरीडिंग और गुणवत्ता जांच के लिए संकाय सदस्यों की एक टीम बनाने का प्रस्ताव रखा।
- **वीआर और टाइपोग्राफी में छात्र परियोजनाएँ:** प्रोफेसर अमर बेहेरा ने वीआर-आधारित जीवनी सामग्री और भारतीय लिपियों के लिए डिजिटल टाइपोग्राफी/फॉन्ट विकास पर ग्रीष्मकालीन परियोजनाओं की वकालत की।
- **छात्र जुड़ाव और डिजाइन सहयोग:** छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए, सदस्यों ने स्क्रिप्ट डिजाइन और तकनीकी फॉन्ट समर्थन के लिए स्टूडेंट्स जिमखाना और आईआईटी कानपुर डिजाइन विभाग के साथ सहयोग करने की सिफारिश की।
- **Educational Content Integration:** Prof. Achala Raina recommended integrating NPTEL's Hindi courses with Shivani Centre's original content and leveraging the Sewayen Prabha platform for outreach.
- **Content Verification:** Prof. Neeraj Chawake suggested faculty review of ~40 regional language videos created by NSS before uploading. Prof. Santosh Mishra proposed forming a team of faculty members for proofreading and quality checks.
- **Student Projects in VR and Typography:** Prof. Amar Behra advocated for summer projects on VR-based biographical content and digital typography/font development for Indian scripts.
- **Student Engagement & Design Collaboration:** To boost student involvement, members recommended collaboration with the Students' Gymkhana and IITK Design Department for script design and technical font support.

शिवानी केंद्र की संचालन समिति की बैठक - 25 मार्च, 2025

आईआईटी कानपुर के शिवानी केंद्र ने 25 मार्च 2025 को अपनी छठी संचालन समिति की बैठक आयोजित की। इस बैठक में शिवानी केंद्र के समन्वयक **प्रोफेसर कान्तेश बालानी** और **प्रोफेसर अर्क वर्मा**, **प्रोफेसर नीरज चवाके**, **प्रोफेसर संतोष मिश्रा**, **प्रोफेसर ललित सारस्वत**, **प्रोफेसर अमर बेहेरा**, **प्रोफेसर अरुणभ मेश्राम**, **प्रोफेसर उर्बी चटर्जी**, **श्री धीरेंद्र त्रिपाठी** के साथ-साथ शिवानी केंद्र से **सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल**, **श्री सुधांशु** और **श्री गोविंद शर्मा** उपस्थित रहे।

प्रोफेसर बालानी ने पिछले छह महीनों में केंद्र की गतिविधियों का सारांश प्रस्तुत करते हुए बैठक की शुरुआत की। उन्होंने बताया कि शिवानी केंद्र को अब भवन के भूतल का हिस्सा आवंटित किया गया है।

Steering Committee Meeting of Shivani Centre - March 25, 2025

Shivani Centre at IIT Kanpur conducted its 6th Steering Committee meeting on 25th March 2025. The meeting was attended by **Prof. Kantesh Balani**, coordinator of Shivani Centre and the committee members including Prof. **Ark Verma**, **Prof. Neeraj Chawake**, **Prof. Santosh Misra**, **Prof. Lalit Saraswat**, **Prof. Amar Behra**, **Prof. Arunabh Meshram**, **Prof. Urbi Chatterjee**, **Mr. Dharendra Tripathi** as well as **Ms. Maitreyi Agrawal**, **Mr. Sudhanshu**, and **Mr. Govind Sharma** from Shivani Centre.

Prof. Balani opened the meeting with a summary of the Centre's activities over the past six months. He also shared the news that Shivani Centre has now been allocated a dedicated space on the ground floor of the building.

आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र **श्री धीरेन्द्र त्रिपाठी** ने एक विशेष प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं के लिए डिज़ाइन किए गए डिजिटल उपकरणों के विषय में अपने विचार साझा किये। उन्होंने इन पहलों पर शिवानी केंद्र के साथ सहयोग करने में रुचि व्यक्त की।

प्रमुख ज़िम्मेदारियाँ और कार्य मद

- **तकनीकी उपकरण विकास:** प्रोफेसर अर्नब भट्टाचार्य, प्रोफेसर उर्बी चटर्जी और प्रोफेसर कांतेश बालानी ने वॉयस कन्वर्टर, हिंदी भाषा उपकरण और वर्चुअल लैब जैसे उपकरण विकसित करने पर काम करेंगे।
- **पाठ्यक्रम विकास और आउटरीच:** प्रोफेसर संतोष मिश्रा, प्रोफेसर अनुराग त्रिपाठी, प्रोफेसर कांतेश बालानी और प्रोफेसर अर्क वर्मा पाठ्यक्रम डिजाइन, वेबसाइट संवर्द्धन और सामुदायिक जुड़ाव के प्रयासों का नेतृत्व करेंगे।
- **कार्यक्रम आयोजन, रचनात्मक कार्यक्रम और विद्वान जुड़ाव:** प्रोफेसर ललित सारस्वत, प्रोफेसर अमर बेहेरा और प्रोफेसर अर्क वर्मा प्रतियोगिताओं, साँस्कृतिक कार्यक्रमों और रेजिडेंस में विद्वानों को आमंत्रित करने के प्रयासों का मार्गदर्शन करेंगे।
- **अनुवाद सहायता:** प्रोफेसर नीरज चवाके, राष्ट्रीय सेवा योजना (एन. एस. एस.) के सहयोग से, प्रोफेसर अरुणभ मेश्राम और अन्य सदस्यों के साथ, शैक्षणिक सामग्री का हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने में योगदान देंगे।
- **हिंदी में शिक्षण प्रयोगशालाओं का विकास:** प्रोफेसर संतोष मिश्रा और प्रोफेसर अनुराग त्रिपाठी हिंदी में शिक्षण प्रयोगशालाओं और सीखने की सामग्री के निर्माण पर काम करेंगे।
- **भाषा की शुद्धता और व्याकरण सुधार:** प्रोफेसर अर्नब भट्टाचार्य हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में व्याकरण संबंधी सुधार और भाषा की शुद्धता की देखरेख करेंगे।

अतिरिक्त मुद्दाव:

समिति ने भारतीय भाषाओं में छात्रों की सहभागिता बढ़ाने के लिए एआई-आधारित अनुवाद उपकरण, क्षेत्रीय भाषा के फ़ॉन्ट और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) संसाधनों को विकसित करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की।

A special presentation was given by IIT Kanpur alumnus **Mr. Dhirendra Tripathi**, who showcased digital tools designed for regional languages. He expressed interest in collaborating with Shivani Centre on these initiatives.

Upcoming Plans and Initiatives

- **Technical Tool Development:** Prof. Arnab Bhattacharya, Prof. Urbi Chatterjee, and Prof. Kantesh Balani have been assigned to develop tools such as voice converters, Hindi language tools, and virtual labs.
- **Curriculum Development and Outreach:** Prof. Santosh Mishra, Prof. Anurag Tripathi, Prof. Kantesh Balani, and Prof. Ark Verma have been tasked to lead the efforts in **curriculum design, website enhancement, and community engagement**.
- **Event Organization, Creative Programs, and Scholar Engagement:** Prof. Lalit Saraswat, Prof. Amar Behra, and Prof. Ark Verma will curate competitions, cultural events, and guide efforts to invite Scholars-in-Residence.
- **Translation Support:** Prof. Niraj Chawake, in association with the **National Service Scheme (NSS)**, along with Prof. Arunabh Meshram and other members, are to contribute to the **translation of academic content** into Hindi and other regional languages.
- **Development of Instructional Labs in Hindi:** Prof. Santosh Mishra and Prof. Anurag Tripathi have been assigned to work on the creation of **instructional labs and learning content in Hindi**.
- **Language Accuracy and Grammar Correction:** Prof. Arnab Bhattacharya oversee has been requested to work on **grammatical corrections and language accuracy** in Hindi and other regional languages.

Additional Suggestions:

The committee also discussed the need to develop **AI-based translation tools**, regional language **fonts**, and **virtual reality (VR) resources** to enhance student engagement in Indian languages.

हिंदी साहित्य, भारतीय संस्कृति की आत्मा है। साहित्य से प्रेम करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए यह जानना न केवल रोचक है बल्कि आवश्यक भी है कि हिंदी साहित्य समय के साथ कैसे विकसित हुआ है। इस समृद्ध साहित्यिक विरासत को संक्षिप्त और रोचक तरीके से प्रस्तुत करने के प्रयास में, शिवानी केंद्र ने एक नई पहल शुरू की है। गूगल और विकिपीडिया जैसे विश्वसनीय स्रोतों से जानकारी लेकर, हमने हिंदी साहित्य के विकास के महत्वपूर्ण पहलुओं को संकलित किया है। इस सतत श्रृंखला के अंतर्गत, हमने अब तक दो वीडियो जारी किए हैं:

- **हिंदी साहित्य का प्रारंभिक परिचय**
<https://youtu.be/yHgwi4869z0>
- **हिंदी साहित्य का इतिहास – आदिकाल (सन् 1050 से 1375 तक)** <https://youtu.be/1ffZQkWGJY>

हिंदी साहित्य के समृद्ध इतिहास की खोज जारी है, और हम आगे भी नई जानकारी साझा करते रहेंगे।

Hindi literature is the soul of Indian culture. For anyone who cherishes literature, understanding how Hindi literature has evolved over time is both fascinating and essential.

In an effort to present this rich literary heritage in a concise and engaging way, Shivani Centre has begun a new initiative. Drawing from reliable sources like Google and Wikipedia, we've curated key insights into the development of Hindi literature.

As part of this ongoing series, we have released the first two videos:

- **An Introduction to Hindi Literature**
<https://youtu.be/yHgwi4869z0>
- **The History of Hindi Literature – Aadikaal (1050–1375 AD)** <https://youtu.be/1ffZQkWGJY>

More insights await as we explore the rich legacy of Hindi literary history.

आगामी कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ / Upcoming Events and Activities

मुंशी प्रेमचंद जी की स्मृति में कार्यक्रम: 31 जुलाई, 2025

मुंशी प्रेमचंद जयंती के अवसर पर, शिवानी केंद्र आईआईटी कानपुर के छात्रों के साथ एक कार्यक्रम का आयोजन करेगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य **मुंशी प्रेमचंद जी के साहित्यिक योगदान** के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उनके जीवन तथा कार्यों पर प्रस्तुतियों और चर्चाओं के माध्यम से दर्शकों को प्रेरित करना है।

शुभारंभ: 10 अगस्त, 2025

हिंदी साहित्य की समृद्धि और विविधता का उत्सव मनाने के लिए एक दिवसीय हिंदी साहित्य महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में **पैनल चर्चा, कहानी पाठ, संगीत प्रस्तुतियाँ और कवि सम्मेलन** जैसी विविध गतिविधियाँ शामिल होंगी।

Event in Memory of Premchand ji: July 31, 2025

On the occasion of **Munshi Premchand Jayanti**, Shivani Centre will organize an event featuring students from IIT Kanpur. The event aims to raise awareness of **Munshi Premchand ji's literary contributions** and inspire audiences through presentations and discussions on his life and works.

Shubharambh : August 10, 2025

A one-day Hindi literary festival will be held to celebrate the richness and diversity of Hindi literature. The event will feature various activities such as **panel discussions, story telling musical performances, and kavi sammelans.**

हिन्दी पखवाड़ा: सितंबर 2025

हिंदी दिवस समारोह के उपलक्ष्य में, शिवानी केंद्र, हिन्दी साहित्य सभा और राजभाषा प्रकोष्ठ के सहयोग से हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन में विभिन्न प्रतियोगिताएँ जैसे पत्र लेखन, हिन्दी श्रुतलेख, कहानी लेखन, और काव्य संगोष्ठी शामिल होंगी।

स्कॉलर्स-इन-रेजिडेंस को आमंत्रण: सितंबर 2025

साहित्यिक और भाषाई जुड़ाव को बढ़ावा देने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत, शिवानी केंद्र दिसंबर 2025 में स्कॉलर्स-इन-रेजिडेंस के तौर पर कुछ खास लोगों को आमंत्रित करेगा। इनमें जाने-माने कवि और लेखक श्री नरेश सक्सेना जैसे प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल होंगे। ये विद्वान कार्यशालाओं और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से भाषा, अनुवाद, कला और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता छात्र समुदाय के साथ साझा करेंगे।

अक्षर – आईआईटी कानपुर साहित्य महोत्सव: अक्टूबर 2025

शिवानी केंद्र, राजभाषा प्रकोष्ठ और हिन्दी साहित्य सभा के सहयोग से 'अक्षर' – संस्थान का वार्षिक साहित्य महोत्सव आयोजित करेगा। यह तीन दिवसीय आयोजन पुस्तकों की प्रदर्शनी, लेखकों के पाठ सत्र, साहित्य एवं कला प्रतियोगिताएँ, कवि सम्मेलन, नाटक मंचन और पैनल चर्चाओं सहित कई गतिविधियों से भरपूर होगा, जो साहित्य और संस्कृति का जीवंत उत्सव प्रस्तुत करेगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) स्वयंसेवकों द्वारा अकादमिक सामग्री का निर्माण

प्रोफेसर नीरज चवाके (समन्वयक, एन. एस. एस.) और प्रोफेसर कान्तेश बालानी (समन्वयक, शिवानी केंद्र) के मार्गदर्शन में, एन. एस. एस. के छात्र स्वयंसेवक हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में अकादमिक वीडियो सामग्री और व्याख्यात्मक अध्ययन सामग्री तैयार करेंगे। यह सामग्री शैक्षणिक सत्र 2025-26 के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए सेमेस्टर I और II में उपयोगी होगी।

Hindi Pakhwada: September 2025

To commemorate **Hindi Diwas**, Shivani Centre, in collaboration with the Hindi Sahitya Sabha and the Hindi Cell, will organize Hindi Pakhwada. The celebration will include various competitions such as **letter writing, Hindi dictation, story writing, and a poetry symposium.**

Inviting Scholars-in-Residence: September 2025

As part of its ongoing efforts to promote literary and linguistic engagement, Shivani Centre will invite **distinguished personalities** such as **Mr. Naresh Saxena**—renowned poet and author—as scholars-in-residence. Through **workshops and interactive sessions**, they will share their expertise in **language, translation, art, and technology** with the student community.

Akshar – IIT Kanpur Literature Festival: October 2025

Shivani Centre, along with the Hindi Cell and Hindi Sahitya Sabha, will host **Akshar**, the institute's annual literature festival. This three-day event will feature **book fairs, author readings, literary and art competitions, kavi Sammelans, stage plays, and panel discussions**, offering a vibrant celebration of literature and culture.

Academic Content Creation by NSS Volunteers

Guided by **Prof. Niraj Chawake** (Coordinator, NSS) and **Prof. Kantesh Balani** (Coordinator, Shivani Centre), NSS volunteers will develop **academic video content and annotated study materials** in Hindi and other Indian languages. These resources will support **first-year students** during **Semesters I and II** of the **2025–26 academic session.**

स्टाफ सदस्य और संपर्क - Staff Members & Contacts



सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल
(परियोजना प्रबंधक)

Ms. Maitreyi Agarwal
(Project Manager)



श्री. विजय कुमार पांडेय
(राजभाषा अधिकारी)

Mr. Vijay Kumar Pandey
(Hindi Officer)



श्री जगदीश प्रसाद
(तकनीकी अधीक्षक)

Mr. Jagdish Prasad
(Technical Superintendent)



श्री दुर्गेश कुमार मिश्र
(कनिष्ठ तकनीकी निदेशक)

Mr. Durgesh Kumar Mishra
(Jr. Technical Superintendent)



श्री अरविंद कुमार
(कनिष्ठ सहायक)

Mr. Arvind Kumar
(Jr. Assistant)



श्री नितेश कुमार
(उप परियोजना प्रबंधक)

Mr. Nitesh Kumar
(Deputy Project Manager)



श्री सुधांशु गौतम
(परियोजना सहयोगी)

Mr. Sudhanshu Gautam
(Project Associate)



श्री गोविन्द शर्मा
(सहायक परियोजना प्रबंधक)

Mr. Govind Sharma
(Assistant Project Manager)



श्री लाल चंद
(परिचारक)

Mr. Lal Chand
(Attendant)



श्री मुक्तेश (मिक्की) पंत
शिवानी केन्द्र के उदार दानदाता

Mr. Muktesh (Micky) Pant
Generous Donor for Shivani Centre



प्रो. कांतेश बालानी
शिवानी केन्द्र समन्वयक, आईआईटी कानपुर

Prof. Kantesh Balani
Coordinator of Shivani Centre, IIT Kanpur



प्रो. अर्क वर्मा
शिवानी केन्द्र समन्वयक, आईआईटी कानपुर

Prof. Ark Verma
Co-coordinator of Shivani Centre, IIT Kanpur

संपर्क

पता: प्री-इंजीनियरिंग बिल्डिंग,
ब्लॉक- एफ (कारगिल चौराहे के पास)
आई आई टी कानपुर, कानपुर -208016,
उत्तर प्रदेश, भारत

दूरभाष: 91-0512-259-7074 (कार्यालय)

Contact

Address: Pre-Engineering Building, Block-F, (Near
Kargil Chauraha)
IIT Kanpur, Kanpur-208016,
Uttar Pradesh, India

Tel. number: 91-0512-259-7074 (office)

सम्पादन सहयोग : सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल, श्री गोविन्द शर्मा, प्रो. अर्क वर्मा, प्रो. कांतेश बालानी अभिकल्प: श्री गोविन्द

Edited by: Ms. Maitreyi Agarwal, Mr. Govind Sharma, Prof. Ark Verma, Prof. Kantesh Balani Designed by: Mr. Govind

Jagriti means awakening and awareness.
जागृति का अर्थ जागरूकता और सतर्कता है।